INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

SAMPLE PAPER - 2 (2020-21)

Class: 10 Sub: Hindi (Course-B)

Max Marks: 80 Time: 3 hours

General Instructions:
1.All questions are compulsory.
2.The question paper consists of 17questions divided into 2. Sections.
3.There is no overall choice. However, internal choices have been provided.
4. This question paper consists of 16 printed pages.

खंड : अ (वस्तुपरक प्रश्न)

अपठित गद्यांश (10)

प्रश्न1. नीचे 2 गद्यांश दिए गए हैं| किसी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (5x1=5)

गद्यांश -1

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं|)

फूल बोने का तात्पर्य सुख पहुँचाना तथा काँटे बोने का अर्थ दुख पहुँचाना है। मानव-जीवन को सार्थकता अपने आपको सुखी बनाने में ही नहीं है, बल्कि औरों को सुख पहुँचाने में है। तुलसीदास ने कहा है कि दूसरों की भलाई से बढ़कर धर्म नहीं तथा दूसरों के अपकार से बढ़कर नीचता नहीं। वह व्यक्ति परम धार्मिक है जो परोपकारी है। दूसरों को सुख पहुँचाने के लिए ईश्वर को भी धरती पर अवतरित होना पड़ता है। जिन्होंने मनुष्य-जाति की भलाई के लिए अपना सुख तथा अपने प्राण बलिदान कर दिए, वे लोग मानव-जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय एवं वंदनीय बन गए। इसीलिए मनीषियों तथा संतों ने सदा परोपकार की दीक्षा दी। कबीर ने तो यहाँ तक कहा है कि जो तेरे लिए काँटे बोता है उसके लिए भी तू फूल बो। ऐसी स्थिति में हमें चाहिए कि हम प्राणियों के कष्ट-निवारण में तथा उन्हें सुखी बनाने में यथाशक्ति योगदान करें। यह भी ध्यान रखना है कि दूसरों के शोषण के लिए अथवा स्वार्थपूर्ति के लिए किया गया प्रत्येक अनैतिक कार्य वर्जित है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-

(i) मानव-जीवन की सार्थकता है - (1)

(क) अपने आपको सुखी बनाने में।

(ख) भरपूर धन कमाने में।

(ग) औरों को सहयोग देने में।

(घ) औरों को सुख पहुँचाने में।

(ii) मानव-जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय होते हैं - (1)

(क) ईश्वर की अर्चना में लगे रहने वाले।

(ख) देश की सीमा पर दुश्मनों से जूझने वाले।

(ग) अपना सुख और प्राण बलिदान करने वाले।

(घ) अपना धन लुटाने वाले।

(iii) सबसे बड़ी नीचता क्या है? (1)

(क) दूसरों की निंदा करना

(ख) दूसरों का अपकार करना

(ग) दूसरों के लिए काँटे बोना

(घ) दूसरों को दुख पहुँचाना

(iv) काँटे बोने वाले के लिए फूल क्यों बोना चाहिए? (1)

(क) उससे बदला लेने के लिए

(ख) परोपकार के लिए

(ग) उसको चिढ़ाने के लिए

(घ) अपना प्रभाव दिखाने के लिए

(v) गद्यांश में आए 'उपकार' शब्द का विपरीतार्थक शब्द है - (1)

(क) विकार

(ख) प्रकार

(ग) अपकार

(घ) प्रतिकार

अथवा गद्यांश- II

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं|)

मानवीय गुणों को धारण करके ही मानव, मनुष्य कहलाने का अधिकारी होता है। मनुष्य-मात्र को बंधु मानकर उसके सुख-दुख का समभागी बनने वाला ही मनुष्य कहला सकता है। मानव शरीर के भीतर यदि दानवी अथवा पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं तो मनुष्य होकर भी वह दानव या पशु-तुल्य समझा जाएगा। अपने ही जीवन को सुखी समृद्ध बनाने की चेष्टा में लगा हुआ व्यक्ति सद्गुण-संपन्न होने पर भी लोकप्रियता अर्जित नहीं कर सकता। उसे पूर्ण मानव भी नहीं कहा जा सकता। सच्चा मनुष्य तो वह सद्गुणी व्यक्ति है जो स्वजनों के साथ-साथ समस्त मनुष्य जाति के कल्याणार्थ प्रयत्न करता है। अपनी अपेक्षा वह औरों की चिंता अधिक करता है। दूसरों की भलाई के लिए वह सहर्ष आत्मबलिदान कर देता है। ऐसा व्यक्ति उस नदी की तरह है जिसके जल का पान कर असंख्य प्राणियों के जीवन की रक्षा होती है। सच्चा मानव दूसरों की विपत्ति में उनकी यथाशक्ति सहायता करता है, भले ही इस कार्य में उसे स्वयं कष्ट झेलने पड़ें तथा क्षति उठानी पड़े।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-

(i) किस मनुष्य को मनुष्य नहीं माना जा सकता? (1)

(क) जो दूसरों को दुख देता रहता है।
(ख) जो दुराचारी होता है।
(ग) जो तन-मन से कमज़ोर होता है।
(घ) जो मानवीय गुणों से रहित होता है।

(ii) पशु-तुल्य किसे समझा जाता है? (1)

(क) जो जंगलों में पशुओं के साथ रहता है।
(ख) जिसमें पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं।
(ग) जो पशुओं-जैसा भोजन करता है।
(घ) जो दूसरों पर हिंसा करता है।

(iii) अपनी अपेक्षा दूसरों की चिंता करने वाला- (1)

(क) लोकप्रिय हो जाता है।
(ख) सदा परेशान रहता है।
(ग) अपने परिवार में अप्रिय हो जाता है।
(घ) अपने काम समय पर नहीं कर पाता।

(iv) मीठे फलों का वृक्ष- (1)

(क) अपना फल स्वयं खाता है।

(ख) अपना फल दूसरों को देता है।

(ग) अपना फल किसी को नहीं देता है।

(घ) अपने फलों से अपना पालन करता है।

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है- (1)

(क) सच्चा मानव

(ख) मानवीय गुण वाला

(ग) लोकप्रियता

(घ) औरों की चिंता

प्रश्न 2. नीचे 2 गद्यांश दिए गए हैं| किसी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **(5x1=5)**

गद्यांश -1

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए गद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं|)

मनुष्य जीवन कर्म-प्रधान है। मनुष्य को निष्काम भाव से सफलता-असफलता की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य का पालन करना है। आशा या निराशा के चक्र में फँसे बिना उसे निरंतर कर्तव्यरत रहना है। किसी भी कर्तव्य की पूर्णता पर सफलता अथवा असफलता प्राप्त होती है। असफल व्यक्ति निराश हो जाता है, किंतु मनीषियों ने असफलता को भी सफलता की कुंजी कहा है। असफल व्यक्ति अनुभव की संपत्ति अर्जित करता है, जो उसके भावी जीवन का निर्माण करती है। जीवन में अनेक बार ऐसा होता है कि हम जिस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए परिश्रम करते हैं, वह पूरा नहीं होता है। ऐसे अवसर पर सारा परिश्रम व्यर्थ हो गया ऐसा लगता है, और हम निराश होकर चुपचाप बैठ जाते हैं। उद्देश्य की पूर्ति के लिए दुबारा प्रयत्न नहीं करते। ऐसे व्यक्ति का जीवन धीरे-धीरे बोझ बन जाता है। निराशा का अंधकार न केवल उसकी कर्म-शक्ति, वरन् उसके समस्त जीवन को ही ढंक लेता है। निराशा की गहनता के कारण लोग कभी-कभी आत्महत्या तक कर बैठते हैं। मनुष्य जीवन धारण करके कर्म-पथ से कभी विचलित नहीं होना चाहिए। विघ्न-बाधाओं की, सफलता-असफलता की तथा हानि-लाभ की चिंता किए बिना कर्तव्य के मार्ग पर चलते रहने में जो आनंद एवं उत्साह है, उसमें ही जीवन की सार्थकता है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-

(क) मनुष्य के कर्तव्य-पालन में कैसा भाव होना चाहिए? (1)

(i) सफलता का भाव

(ii) सकाम भाव

(iii) निष्काम भाव

(iv) परिश्रम का भाव

(ख) सफलता कब प्राप्त होती है? (1)

(i) आशा-निराशा के चक्र में फँसे रहने पर

(ii) निरंतर कर्तव्यरत रहने पर

(iii) परिश्रम करने पर

(iv) कर्तव्य की पूर्णता पर

(ग) मनुष्य के लिए असफलता भी सफलता की कुंजी बन जाती है, क्योंकि वह: (1)

(i) निष्क्रिय हो जाता है।

(ii) अनुभव अर्जित करता है।

(iii) आशा-निराशा के चक्र में नहीं फँसता।

(iv) दुबारा प्रयत्न नहीं कर पाता।

(घ) जीवन बोझ कब नहीं बनता- (1)

(i) परिश्रम व्यर्थ हो जाने पर

(ii) असफल हो जाने पर

(iii) निराश हो जाने पर

(iv) उद्देश्य पूरा हो जाने पर

(ड.) जीवन की सार्थकता है : (1)

(i) लक्ष्य से विचलित न होना

(ii) कर्तव्य मार्ग पर चलते रहना

(iii) हानि-लाभ की चिंता करना

(iv) सफलता के लिए दुबारा प्रयत्न करना

अथवा गद्यांश- II

(यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए गद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं|)

घड़े को जल से भर देने पर उसे मस्तक पर रखकर मीलों चले जाइए, एक बूंद पानी भी छलक कर बाहर नहीं गिरेगा। किंतु जिस घड़े में जल की मात्रा कम होगी, वह छलकता रहेगा, मानो वह पुकार-पुकार कर कह रहा हो कि उसमें जल है। अथाह जल का स्वामी समुद्र वर्षाकाल में सामान्य स्थितियों में मर्यादा लाँघकर बाढ़ का आतंक नहीं पैदा करता, किन्तु छोटी-छोटी नदियाँ अपने तटवर्ती क्षेत्रों को तहस-नहस कर डालती हैं। इसी तरह जिस मनुष्य में वास्तविक विद्वत्ता होती है, वह अपने पांडित्य का ढिंढोरा नहीं पीटता, बल्कि सदा विनम्र एवं निरहंकार बना रहता है। कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति ही बात-बात में मिथ्या पांडित्य-प्रदर्शन की चेष्टा करता है। जो वस्तुतः धनवान होता है, लोगों से यह नहीं कहता-फिरता कि वह धनवान है। उसका रहन-सहन, आचार-विचार सादगी से पूर्ण होता है लेकिन साधारण स्थिति का व्यक्ति सदैव यह दिखलाने का प्रयत्न करता है कि वह धनी और संपन्न व्यक्ति है। अभावग्रस्त लोगों को सदा यही कुंठा बेचैन बनाए रखती है कि वे अभावग्रस्त हैं, जिस पर विजय पाने के लिए वे मिथ्या-प्रदर्शन की आड़ लेते हैं। पूर्णता गंभीरता एवं विनम्रता को जन्म देती है, किंतु अपूर्णता चंचलता को। आज विश्व में या समाज में जो भी आपा-धापी, उत्तेजना तथा अशांति दिखाई पड़ती है उसका मूल कारण अधूरापन ही है। धन, विद्या, पद आदि की पूर्णता पर ही शांति-सुख निर्भर करते हैं।

(क) घड़े से एक बूंद भी पानी नहीं गिरता, क्योंकि- (1)

(i) घड़े से पानी की मात्रा कम होती है।

(ii) घड़ा मस्तक पर रखा होता है।

(iii) आधे घड़े में जल भरा होता है।

(iv) घड़ा जल से लबालब भरा होता है।

(ख) कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति पांडित्य-प्रदर्शन करता है: (1)

(i) धनवान होने के कारण

(ii) अज्ञान के कारण

(iii) अहंकार के कारण

(iv) प्रदर्शन-प्रियता के कारण

(ग) अभावग्रस्त लोग विजय पाने के लिए क्या करते हैं? (1)

(i) विनम्रता प्रदर्शन

(ii) समृद्धि प्रदर्शन

(iii) मिथ्या प्रदर्शन

(iv) बेचैनी प्रदर्शन

(घ) चंचलता का कारण होता है: (1)

(i) अपूर्णता

(ii) विनम्रता

(iii) सादगी

(iv) गंभीरता

(ड.) समाज में व्याप्त अशांति का कारण है : (1)

(i) उत्तेजना

(ii) आपाधापी

(iii) अधूरापन

(iv) अविद्या

व्यावहारिक व्याकरण-

प्रश्न3. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिये-

(1) सुकुमारी परिश्रमी और होशियार है। रेखांकित पदबंध का भेद बताइए। (1)

(क) संज्ञा पदबंध

(ख) विशेषण पदबंध

(ग) सर्वनाम पदबंध

(घ) क्रिया पदबंध

(2) रेखांकित पदबंध की पहचान कीजिए - विद्या खुशबू का चुटकुला सुनकर हँसती रही। (1)

(क) क्रियाविशेषण पदबंध

(ख) संज्ञा पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध

(घ) विशेषण पदबंध

(3) क्रियाविशेषण पदबंध छाँटिए। (1)

(क) राधा टी॰वी॰ देखते-देखते सो गई।

(ख) राधा खा कर सो गई।

(ग) राधा टी॰वी॰ देखकर सो गई।

(घ) राधा खेलकर चली गई।

(4) सर्वनाम पदबंध का उदाहरण छाँटिए। (1)

(क) मेज पर राखी हुई पुस्तक मेरी माताजी की है।

(ख) दर-दर भटकने वाले तुम कभी सफल नहीं हो सकते।

(ग) घर के पीछे लगा पेड़ सूख गया।

(घ) बच्चा रोते-रोते सो गया।

(5) इतनी लगन से काम करने वाला मैं असफल नहीं हो सकता | रेखांकित का पदबंध है: (1)

(अ) क्रिया पदबंध

(ब) संज्ञा पदबंध

(स) क्रियाविशेषण पदबंध

(द) सर्वनाम पदबंध

प्रश्न4. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिये-

(1) कठोर बनकर भी सुहृदय बनो। वाक्य का प्रकार चुनिए। (1)

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

(2) संयुक्त वाक्य के लिए उदाहरण छाँटिए - (1)

(क) मैं बाज़ार जाऊँगी और खिलौने खरीदूँगी।

(ख) जब माताजी बाज़ार गई तब बच्चों के लिए खिलौने लाई।

(ग) घर जाकर गृह कार्य पूरा करो।

(घ) जैसे ही मैंने खाना खाया वैसे ही मैं सो गया।

(3) मिश्रित वाक्य का उदाहरण छाँटिए। (1)

(क) जो मेरे पास खिलौना है, वह बैटरी से चलता है।

(ख) परिश्रम करने वाले को सफलता मिलती है।

(ग) परिश्रम करने वाले सफलता पाते है।

(घ) स्टेशन पहुँचे और हमारी प्रतीक्षा करें।

(4) मुख्य अतिथि आए और कार्यक्रम शुरू हुआ। - कौन-सा वाक्य है? (1)

(क) मिश्रित वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) प्रश्नवाचक वाक्य

(5) दादा जी अखबार पढ़ते हुए मुस्कुरा रहे थे| वाक्य का कौन-सा भेद है? (1)

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्रित

(घ) संकेतवाचक वाक्य

प्रश्न5. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिये-

(1) 'भलामानस' दिए गए समस्त-पद के प्रकार का नाम है - (1)

(क) तत्पुरुष समास

(ख) कर्मधारय समास

(ग) अव्ययीभाव समास

(घ) द्विगु समास

(2) 'भयाकुल' समस्तपद का विग्रह है - (1)

(क) भय में व्याकुल

(ख) भय से आकुल

(ग) भाय में आकुल

(घ) भय में आकुल

(3) 'पाप-पुण्य' समस्तपद का भेद है - (1)

(क) बहुव्रीहि समास

(ख) द्विगु समास

(ग) अव्ययीभाव समास

(घ) द्वंद्व समास

(4) निम्न विकल्पों में से 'बहुव्रीहि समास' है - (1)

(क) महान है जो वीर

(ख) वीर के समान महान

(ग) महान है वीर जो (हनुमान)

(घ) वीर रूपी महान

(5) 'दशानन' में कौन-सा समास है? (1)

(क) तत्पुरुष समास

(ख) कर्मधारय समास

(ग) बहुव्रीहि समास

(घ) द्विगु समास

प्रश्न 6. निम्नलिखित चारों भागों के उत्तर दीजिये-

(1) "पैसा तो ..... है, प्रतिष्ठा अर्जित करनी चाहिए।" रिक्त स्थान की पूर्ति करें।(1)

(क) अंधे की लाठी

(ख) अंगद का पाँव

(ग) हाथ का मैल

(घ) पत्थर की लकीर

(2) 'जले पर नमक छिड़कना' मुहावरे का अर्थ है - (1)

(क) कष्ट में और अधिक कष्ट देना

(ख) जले स्थान को धोना

(ग) जले स्थान पर दवा लगाना

(घ) विपत्ति में पड़ना

(3) "भाई साहब हर काम की इतनी आलोचना करते हैं कि हर समय.....।" उपयुक्त मुहावरे से रिक्त-स्थान की पूर्ति कीजिए। (1)

(क) दिमाग होना

(ख) सिर पर नंगी तलवार लटकना

(ग) पाँव ज़मीन पर न पड़ना

(घ) आँखें फोड़ना

(4) "आसमान टूट पड़ना" मुहावरे का अर्थ है - (1)

(क) पानी बरसना

(ख) बादल फटना

(ग) बड़ी विपत्ति आ पड़ना

(घ) संकट टल जाना

प्रश्न- पाठ्य-पुस्तक

प्रश्न7.**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के <u>सर्वाधिक उपयुक्त</u> विकल्पों का चयन कीजिए- (4x1=4)**

'मनुष्य-मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(1) सबसे बड़ा विवेक क्या है? (1)

(क) शास्त्रों का ज्ञान होना

(ख) संसार के रहस्य का ज्ञान होना

(ग) मनुष्य-मात्र को भाई समझना

(घ) ईश्वर का अस्तित्व मानना

(2) स्वयंभू पिता का तात्पर्य है? (1)

(क) परमपिता परमेश्वर

(ख) पालन-पोषण करने वाला

(ग) परिवार का मुखिया

(घ) स्वंय को पिता मानने वाला

(3) मनुष्य-मनुष्य में बाहरी अंतर क्यों दिखाई देता है? (1)

(क) रूप-रंग में अंतर के कारण

(ख) विचारों के अलग होने के कारण

(ग) विभिन्न जाति में जन्म लेने के कारण

(घ) कर्म के अनुसार फल भोगने के कारण

(4) सबसे बड़ा अनर्थ है (1)

(क) भाई ही भाई को सम्मान न दे

(ख) भाई ही भाई का कष्ट दूर करे

(ग) भाई ही भाई का दुख दूर न करे

(घ) भाई ही भाई को अपना सहायक माने

प्रश्न8. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के <u>सर्वाधिक उपयुक्त</u> विकल्पों का चयन कीजिए-(5x1=5)**

मेरी माँ कहती थी, सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, पेड़ रोएँगे। दीया-बत्ती के वक्त फूलों को मत तोड़ो, फूल बद्दुआ देते हैं।... दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो, वह खुश होता है। कबूतरों को मत सताया करो, वे हज़रत मुहम्मद को अज़ीज़ हैं। उन्होंने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इज़ाज़त दे रखी है। मुर्गे को परेशान नहीं किया करो, वह मुल्ला जी से पहले मोहल्ले में अज़ान देकर सबको सवेरे जगाता है। ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे। उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था। एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया। मेरी माँ ने देखा तो उसे दुख हुआ। उसने स्टूल पर चढ़कर दूसरे अंडे को बचाने की कोशिश की। लेकिन इस कोशिश में दूसरा अंडा उसी के हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे। उनकी आँखों में दुख देखकर मेरी माँ की आँखों में आँसू आ गए। इस गुनाह को खुदा से मुआफ़ करने के लिए उसने पूरे दिन रोज़ा रखा दिनभर कुछ खाया-पिया नहीं। सिर्फ़ रोती रही और बार-बार नमाज़ पढ़-पढ़कर खुदा से इस गलती को मुआफ़ करने की दुआ माँगती रही।

(1) लेखक की माँ सूरज ढलने पर क्या करने को मना करती है ? (1)

(क) खाना खाने को

(ख) बाहर जाने को

(ग) आंगन के पेड़ पत्ते तोड़ने को

(घ) बाहर खड़े होने को

(2) लेखक की माँ दरिया को क्या करने को कहती है? (1)

(क) साफ़ करने को

(ख) देखने को

(ग) सलाम करने को

(घ) कुछ नहीं

(3) दूसरा अंडा किसकी गलती से टूटा? (1)

(क) बिल्ली

(ख) लेखक

(ग) माँ

(घ) कबूतर

(4) लेखक का घर किस शहर में था? (1)

(क) दिल्ली में

(ख) राजस्थान में

(ग) ग्वालियर में

(घ) जयपुर में

(5) कबूतर इधर उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे? (1)

(क) दोनों अंडे टूट जाने के कारण

(ख) ठण्ड के कारण

(ग) घोंसला न मिलने के कारण

(घ) कोई नहीं

प्रश्न9. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के <u>सर्वाधिक उपयुक्त</u> विकल्पों का चयन कीजिए- (5x1=5)**

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। तताँरा का मन इन कार्यक्रमों में तनिक न था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं। होंठ काँप रहे थे। तताँरा को देखते ही वह फूटकर रोने लगी। तताँरा विह्वल हुआ। उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था। रोने की आवाज़ लगातार ऊँची होती जा रही थी। तताँरा किंकर्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी।

(1) तताँरा के पासा गाँव में किसका आयोजन हुआ ? (1)

(क) पशु-पर्व का

(ख) पर्व का

(ग) मेले का

(घ) कोई नहीं

(2) पशु-पर्व में प्रदर्शन होता था - (1)

(क) हृष्ट-पुष्ट पशुओं का

(ख) युवकों की शक्ति परीक्षा का

(ग) उपरोक्त दोनों नहीं

(घ) उपरोक्त दोनों

(3) शाम से सभी लोग एकत्रित होने लगे - (1)

(क) पासा में

(ख) गाँव में

(ग) लपाती में

(घ) मैदान में

(4) नारियल के झुंड के पीछे कौन था? (1)

(क) माँ

(ख) वामीरों

(ग) महिला

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(5) माँ आग बबूला हो गई क्योंकि उसने ..... । (1)

(क) वामीरो को रोते हूए देखा

(ख) युवकों को देखा

(ग) तताँरा और वामीरों को देख लिया

(घ) पशुओं को देखकर

खंड : 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक

प्रश्न10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x2=4)**

(i) मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है? 2

(ii) बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों ? 2

(iii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' के दृश्यों को कवि ने 'इंद्रजाल' क्यों कहा है? 2

प्रश्न11. **निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए- (1x4=4)**

कबीर ने अपने दोहे में निंदक को समीप रखने की सलाह दी है। क्या आप भी अपने निंदक को पसंद करते हैं? निंदक के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए उससे होने वाले लाभों के बारे में लिखिए।

प्रश्न12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए- (2x3=6)**

(i) हरिहर काका पाठ के अनुसार समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए। 3

(ii) पीटी साहब की 'शाबाश' फौज़ के तमगों-सी क्यों लगती थी? स्पष्ट कीजिए। 3

(iii) टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में कुछ आवश्यक बदलावों की आवश्यकता है| अपने सुझाव दीजिए| 3

प्रश्न - लेखन

प्रश्न13. निम्नलिखित में से किसी 1 विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- (1x6=6)

(1) फ़ेसबुक और युवा वर्ग

संकेत बिंदु :

- आज सोशियल नेटवर्किंग साइट की लोकप्रियता
- मित्रता का माध्यम
- उपयोग, लाभ-हानि

(2) **मनोरंजन के आधुनिक साधन**

संकेत-बिंदु :

- मनोरंजन के साधन
- मनोरंजन के साधन चुनने में सावधानी की आवश्यकता
- व्यस्त जीवन और मनोरंजन

(3) **करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान**

- अभ्यास से विद्वान
- अभ्यास से विद्वान, कलाकार व विविध क्षेत्रों में विशेष योग्यता-उदाहरण
- विद्यार्थियों, खिलाड़ियों आदि के लिए अभ्यास का विशेष महत्त्व

प्रश्न14. आपके क्षेत्र में बारिश से उत्पन्न जल-भराव एवं होने वाली कठिनाइयों का वर्णन करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

विद्यालय के मुख्य द्वार पर बैठे खोमचेवालों की शिकायत करते हुए पत्र लिखिए।

प्रश्न15. आपके विद्यालय में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हर तरह की पुस्तकों पर 25% छूट दी जाएगी। ये पुस्तकें विभिन्न विषयों से संबंधित होंगी। इस संबंध में एक सूचना आलेख तैयार कीजिए। आप दसवीं के छात्र गौतम शर्मा है। (5)

अथवा

प्रधानाचार्य की ओर से एक सूचना लिखिए कि विद्यालय में आ जाने के बाद किसी विद्यार्थी को पूरी छुट्टी होने तक विद्यालय से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। इस कदम के पीछे निहित कारण बताते हुए एक सूचना आलेख तैयार कीजिए।

प्रश्न16. 'आप एक योग प्रशिक्षण केंद्र खोलना चाहते हैं। इस संबंध में युवाओं को आकर्षित करने वाला एक विज्ञापन 30-35 शब्दों में तैयार कीजिए। (5)

अथवा

इंजीनियरिंग और मेडिकल की परीक्षा की तैयारी के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्रश्न17. 'यमुना और दिल्ली शहर' विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए| (5)

अथवा

'यदि मैं मेरे शहर का मुख्यमंत्री होता' विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए|